भारतमाला चरण-1: समय सीमा बढ़ाई गई

प्रलिम्सि के लयि:

[भारतमाला](), [आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA)](), [सार्वजनिक निवेश बोर्ड](), [पूंजीगत व्यय](), [वस्तु और सेवा कर]()

मेन्स के लयि:

भारतमाला परियोजना और भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में इसका योगदान।

[स्रोत: फाइनेंसियल एक्सप्रेस]()

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने प्रमुख राजमार्ग विकास परियोजना [भारतमाला परियोजना चरण- I]() को पूरा करने की समय सीमा सत्र **2027-28** तक बढ़ा दी है।

- यह कदम मेगा परियोजना की अनुमानित लागत में **100% से अधिक की वृद्धि** के बाद उठाया गया है और यह **कार्यान्वयन की धीमी गति** एवं **वित्तीय बाधाओं** को दर्शाता है।

भारतमाला परियोजना क्या है?

- **परिचय:**
  - [भारतमाला परियोजना]() **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways)** के तहत शुरू किया गया एक **व्यापक कार्यक्रम है।**
  - **भारतमाला के प्रथम चरण** की **घोषणा** वर्ष **2017 में** की गई थी और इसे वर्ष **2022 तक पूरा** किया जाना था।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - भारतमाला पहले से निर्मित बुनियादी ढाँचे की बढ़ी हुई प्रभावशीलता, बहुविध एकीकरण, निर्बाध आवागमन के लिये बुनियादी ढाँचे की कमियों को दूर करने एवं राष्ट्रीय व आर्थिक कॉरिडोर को एकीकृत करने पर केंद्रित है।
  - **उक्त कार्यक्रम के छह प्रमुख घटक हैं:**
    - **आर्थिक कॉरिडोर:** आर्थिक कॉरिडोर को एकीकृत करने से आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण उत्पादन तथा उपभोग केंद्रों के बीच विस्तृत जुड़ाव/कनेक्टिविटी की सुविधा मिलती है।
    - **इंटर-कॉरिडोर और फीडर मार्ग:** यह प्रथम मील से अंतिम मील तक की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।
    - **राष्ट्रीय कॉरिडोर दक्षता में सुधार:** इसके माध्यम से मौजूदा राष्ट्रीय कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाने और ट्रैफिक जाम को कम करने का लक्ष्य रखा गया है।
    - **सीमा और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क सड़कें:** बेहतर सीमा सड़क बुनियादी ढाँचे से अधिक गतिशीलता सुनिश्चित होगी और साथ ही पड़ोसी देशों के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।
    - **तटीय व पोर्ट कनेक्टिविटी हेतु सड़कें:** तटीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी के माध्यम से बंदरगाह आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है, जिससे पर्यटन एवं औद्योगिक विकास दोनों बेहतर होते हैं।
    - **ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे:** उच्च यातायात सघनता और अधिक जाम वाले स्थान की उपस्थिति वाले एक्सप्रेसवे ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे से लाभान्वित होंगे।
- **स्थिति:**
  - नवंबर 2023 तक **15,045 किमी यानी 42% प्रोजेक्ट** पूरा हो चुका है।
- **चुनौतियाँ:**
  - कच्चे माल की लागत, भूमि अधिग्रहण लागत में वृद्धि, हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण और वस्तु एवं सेवा कर दरों में वृद्धि।

आगे की राह

- **प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त** करने के लिये रणनीतिक खरीद विधियों की जाँच करना। अनुकूल दरें सुनिश्चित करने के लिये, विशेषकर बाज़ार में उतार-चढ़ाव के दौरान, आपूर्तिकर्त्ताओं के साथ बातचीत में भाग लेना।
- मुआवज़ा संबंधी विवादों को कम करने के लिये कुशल और **पारदर्शी भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं को लागू करना।** इस प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिये भूमि अधिग्रहण और सामुदायिक सहभागिता जैसे विकल्पों का पता लगाना।
- हाई-स्पीड कॉरिडोर को शामिल करने से पहले संपूर्ण व्यवहार्यता अध्ययन करना। लागत-प्रभावशीलता के साथ कार्यक्षमता को संतुलित करने के लिये गलियारे के डिज़ाइन को अनुकूलित करना।
- अनिश्चितताओं को कम करने के लिये **स्थिर और पूर्वानुमानित GST नीतियों की वकालत करना** । कर दर में बदलाव के प्रभाव पर उद्योग को अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिये सरकारी अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना।

सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न 1. 'राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढाँचा कोष' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह नीति आयोग का अंग है।
2. वर्तमान में इसके पास 4,00,000 करोड़ रुपए का कोष है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

- राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढाँचा कोष (National Investment and Infrastructure Fund- NIIF) का नियमन वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के निवेश प्रभाग द्वारा किया जाता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- NIIF वर्तमान में तीन फंडों का प्रबंधन कर रहा है जो सेबी विनियमों के तहत वैकल्पिक निवेश कोष (Alternative Investment Funds- AIF) के रूप में पंजीकृत हैं। वे तीन फंड- मास्टर फंड, स्ट्रैटेजिक फंड और फंड ऑफ फंड्स हैं, साथ ही NIIF का प्रस्तावित कोष 40,000 करोड़ रुपए है, न कि 4,00,000 करोड़ रुपए। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (d) सही है।

??????:

प्रश्न. अधिक तीव्र और समावेशी आर्थिक विकास के लिये बुनियादी अवसंरचना में निवेश आवश्यक है।" भारत के अनुभव के आलोक में चर्चा कीजिये। (वर्ष 2021)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharatmala-phase-1-deadline-extended